विश्वविद्यालयो द्वारा गोद लिये गये गांवो (स्मार्ट विलेज) में संपादित कार्य

क्र. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	संपादित कार्य
1.	महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर।	➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। ➢ **कोविड–19 जागरूकता रैली एवं नो मास्क नो एंट्री कार्यक्रम का आयोजन कर मास्क वितरण किया गया।**
2.	राज ऋषि भर्तहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर।	➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** • गांव में वर्षा जल के भण्डारण हेतु तालाब की आवश्यकता का आकलन कर पंचायत समिति/जिला प्रशासन के सहयोग से भूमि चयन एवं तालाब निर्माण कार्य पूर्ण कर इसके चारों ओर सघन वृक्षारोपण का कार्य करवाया गया। ➢ **कोविड–19 जागरूकता रैली एवं नो मास्क नो एंट्री कार्यक्रम का आयोजन किया गया।**
3.	महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • नशा मुक्ति, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया। ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • स्कूल में कम्प्यूटर साक्षरता का शिविर आयोजित किया गया जिसमें बैंकिग सुविधाओं की जानकरी डिजिटल मिडिया के माध्यम से प्रदान की गई। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • कृषि विभाग द्वारा कृषको एवं पशुपालन विभाग द्वारा पशुपालको को प्रशिक्षण दिया गया। • उद्यान विभाग द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि की योजनाओ के बारे में जानकारी दी गई • वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। ➢ **कोविड–19** के बारे में ग्रामीणों को जागरूक कर मास्क एवं हैंड सेनेाइजर का वितरण किया गया।
4.	राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर।	• **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :**

		• नशा मुक्ति अभियान, एनिमिया मुक्ति अभियान, वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य अभियान का आयोजन किया गया एवं दवा वितरित कि गई। • आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर, ऑखो की जॉच शिविर का आयोजन किया गया ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • कम्प्यूटर साक्षरता केन्द्र की स्थापना की गई। ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • जन शिक्षण संस्थान के सहयोग से एक प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया जिसमें 20 महिलाओ को 3 माह का ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दिया गया। • कौशल विकास गतिविधि के तहत मारवाड़ी बकरी पर अखिल भारतीय कॉर्डिनेटेड अनुसंधान परियोजना का एक उपकेन्द्र स्थापित किया गया। • पशुपालको को दो दिवसीय उन्नत व जैविक पशुपालन प्रशिक्षण दिया गया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • पशुओ के टीकाकरण/उपचार संबंधी कार्य किये जा रहे है। • वृक्षारोपण अभियान आयोजित कर गाँव जयमलसर में पौधे लगाये गये। ➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** • पुराने तालाब का जीर्णोद्धार किया गया। ➢ **कोविड–19** के बारे में जागरूक किया गया मास्क, साबुन एवं सेनिटाइजर का वितरण किया गया एवं गांव में सोडियम हाइपोक्लाराइट का छिडकाव किया गया, आयुर्वेदिक काढा पिलाया गया आदि।
5.	महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर।	➢ **कोविड–19** जागरूकता अभियान का आयोजन कर मास्क एवं सेनिटाइजर का वितरण किया गया सोडियम हाइपोक्लोराइट का छिड़काव किया गया।
6.	स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि वि0वि0, बीकानेर।	➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • सात दिवसीय सिलाई एवं बुनाई का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

		➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • रबी, खरीब की फसल, सब्जी का उत्पादन बढ़ाने के लिये कार्यक्रम का आयोजन किया गया। • न्यूट्रिशनल गार्डन, पशुओ के लिये हरे चारे के बारे में जागरूक किया गया। • वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। • किसानो को फसलो का उत्पादन बढाने के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। ➢ **कोविड–19** जागरूकता अभियान का आयोजन कर मास्क एवं सेनिटाइजर का वितरण किया गया एवं आयुर्वेदिक काढा वितरित किया गया।
7.	जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।	➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा शिक्षाप्रद नुक्कड नाटक का मंचन किया गया एवं स्वच्छता, नशामुक्ति, कन्या भ्रूण हत्या व दहेज प्रथा उन्मूलन के प्रति जागरूक करने के लिए रैलियो का आयोजन भी किया गया। ➢ **कोविड–19 गतिविधि** :– कोविड–19 के बारे में ग्रामीणो का जागरूक किया गया। ➢ **अन्य कार्य**–वृद्धावस्था पेंशन योजना, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना के आवेदनो का निस्तारण करवाया गया। सुकन्या समृद्धि योजना के अन्तर्गत बालिकाओं के खाते खुलवाये गये।
8.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • आंगनबाडी केन्द्र पर बच्चो एवं आशा सहयोगिनी के लिए स्वास्थ्य गतिविधि का आयोजन किया गया एवं बच्चो के लिए पाठन एवं खेल सामग्री का वितरण किया गया। • स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम के तहत बच्चों की व्यक्तिगत शारीरिक साफ–सफाई, मौसमी बीमारियों से बचने के सुझाव दिए गये। • स्वच्छता पर पोस्टर एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। • वरिष्ठ नागरिक शिविर का आयोजन कर वरिष्ठ नागरिकों को कोविड–19 महामारी से बचने के लिए योग के महत्व के बारे में बताया। ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :**

		• गांव के राजकीय विद्यालय में रंग और पुताई एवं शौचालय मरम्मत का कार्य करवाया गया। • विद्यार्थियो के लिए कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। • डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • विधार्थियों के लिए जीवन कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। ➢ **कोविड–19 जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।**
9.	राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • स्वच्छ भारत अभियान के तहत ग्रामीणों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया गया। • नशा मुक्ति शिविर, चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। • स्वास्थ्य जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत बच्चो, गर्भवती महिलाओं, के स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया गया। • वरिष्ठ नागरिक कैम्प के तहत वरिष्ठ नागरिको के लिए एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। • कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • कौशल विकास प्रशिक्षण कैम्प के तहत सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास की योजनाओ के बारे में बताया गया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

		➢ **कोविड–19** के बारे में जागरूक किया गया मास्क, साबुन एवं सेनिटाइजर का वितरण किया गया एवं गांव में सोडियम हाइपोक्लोराइट का छिडकाव किया गया, राशन, खाद्य सामग्री के पैकेट वितरित किये गये।
10.	श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, जयपुर।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** ● गांव पचार की गौशाला में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया इस दौरान गौशाला में गिर नस्ल के दो बुल्स दिये गये। ● स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 89 वरिष्ठ नागरिको ने भाग लिया। ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** ● कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन कर विद्यालय के खराब कम्प्यूटरो को ठीक किया गया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** ● किसानो की कृषि वैज्ञानिको के साथ बैठक का आयोजन किया गया जिसमें डेयरी फार्म, बाग का जीर्णोद्वार, फसल उत्पादन तकनीक आदि पर चर्चा कि गई। ● वि.वि. के कृषि वैज्ञानिको द्वारा एक दिवसीय पेट्रोलियम संरक्षण तकनीक का प्रशिक्षण आयोजित किया गया तथा मेथी, सौंफ, जौ आदि किस्मों के प्रदर्शन किये गये। ● विश्वविद्यालय जोबनेर द्वारा वन विभाग के सहयोग से चारागाह भूमि में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ➢ **कोविड–19 जागरूकता** कार्यक्रम का आयोजन कर मास्क वितरण किया गया।
11.	जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** ● गांव में स्वच्छता जागरूकता रैली का निकाली गई रैली में स्वयं सेवको द्वारा स्वच्छ घर, स्वच्छ गांव, खुले में शौच बंद करों, टीकाकरण करवाओं, पर्यावरण संरक्षण के नारे लगवाकर ग्रामीणो को प्रेरित किया गया तथा विभिन्न घरो का सर्वे कर सरकारी योजनाओं से अवगत करवाया गया। ● नशा मुक्ति शिविर, वरिष्ठ नागरिक शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

		• स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांव में सार्वजनिक स्थानों पर सफाई करवाने हेत गांव के सरपंच को अनुदान राशि भेट की गई। ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें बेरोजगार युवकों का मार्गदर्शन कर उन्हे आत्मनिर्भर भारत योजना के बारे में अवगत करवाया गया। ग्रामीणों को रोजगार कार्यालय, मरूधरा, बासनी, बोरानाडा आदि औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने हेतु सम्पर्क करने तथा बैंक से ऋण लेने की प्रक्रिया को समझाया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • कृषि वैज्ञानिक–कृषक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में खेती की नई तकनीक, उन्नत बीजों की जानकारी, औषधिय पौधों की खेती व विपणन इत्यादि की जानकारी प्रदान की गई। • वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** • तालाब की साफ–सफाई का कार्य किया गया, तालाब के चारो तरफ छोटे नाले से पानी की आवक भी कम होने पर इस नाले की पुनः खुदवाई व सफाई करवाई गई। ➢ **आधारभूत संरचना :** • खेल मैदान का निर्माण करवाया गया। ➢ **कोविड–19 जागरूकता** कार्यक्रम के तहत गांव में एक हजार मास्क, थर्मोस्केनर मशीन, सार्वजनिक स्थलों को संक्रमण से मुक्त करनेके लिए हाइपो क्लोराइट के छिड़काव की स्वचालित मशीन, हाथों को साफ करने हेतु हेन्ड सेनेटाइजर इत्यादि का वितरण किया गया।
12.	डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद वि0वि0, जोधपुर।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणो को चिकित्सा परामर्श एवं निःशुल्क दवा वितरित कि गई तथा बच्चों को स्वर्णाप्राशन दवा पिलाई गई। स्वाईन फ्लू से बचने के लिए काढा पिलाया गया तथा ग्रामवासियों को दन्त चिकित्सा प्रदान की तथा ब्लड शुगर की जॉच की गई।

		• श्री यादे माता मेले में व्यसन मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। • स्वच्छता कार्यक्रम, चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • दान दाताओ की सहायता से लगभग 1.5 लाख रूपये की पुस्तको को विद्यालय के पुस्तकालय में दी गई। • विश्वविद्यालय द्वारा RSETI (ICICI Bank) के सहयोग से महिलाओं को पापड, आचार और मसाले बनाने के लिये 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। औषधिय पौधो का वितरण किया गया। ➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** • पिने के पानी के लिए दो उच्च जलाशय का निर्माण किया गया। • ग्राम पंचायत के सहयोग से मनरेगा श्रमिकों द्वारा तालाब/नाडियों को साफ करने के बाद उनको गहरा करने का कार्य सम्पादित कराया गया। ➢ **कोविड–19 जागरूकता** कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों को आयुष काढ़ा के पाउच जिसमें 15 दिवस की औषध सामग्री थी, घर–घर वितरित किये गये, बुजुर्गो के परिवारो को प्राथमिकता दी गयी, कोविड रोकथाम के लिए रैली का आयोजन कर IEC सामग्री का वितरण किया गया।
13.	कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • आयुर्वेद विश्वविद्यालय के सहयोग से चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञों की टीम द्वारा ग्रामीणो के स्वास्थ्य की जांच की तथा स्वाइन फ्लू रोकथाम के लिए आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाया गया। • स्वच्छ भारत मिशन अभियान का आयोजन किया गया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :**

		• पशुपालन विभाग, लूणी के सहयोग से एक पशु स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन कर ग्रामीणो को अच्छे पशु प्रबंधन एवं टीकाकरण के बारे में बताया गया तथा शिविर में पशुओं के टीके लगवाये गये। • कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर में एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर प्रदर्शनों (बीज किस्म एमपीएमएच–17, हर्बिसाइड, जिंक सल्फेट, आयरन और क्लोरोपायरीफॉस) की उत्पादन सामग्री किसानो को वितरित की गई। • किसानो को खरीफ सीजन में खाद एवं जल परीक्षण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व के बारे में जागरूक किया। • ग्रामीणो को आर्थिक सशक्तिकरण के लिये बैकयार्ड मुर्गीपालन के तहत प्रतापधन नस्ल मुर्गी के चूजे किसानो को वितरित किये गये। • ग्रामीणो को जैविक खेती करने, बायो गैस बनाने हेतु प्रेरित किया गया। • किसानों को रबी फसलों में जल बचत तकनीक के विभिन्न तरीकों के बारे में भी बताया गया जैसे सिंचाई चैनल में प्लास्टिक लाइन, स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई तकनीक आदि का उपयोग एवं रबी की फसलों में एकीकृत कीट प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई। • मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बारे में जागरूक किया गयाा। • किसानों को बुआई से पहले फसल के रोटेशन एवं बीज उपचार का पालन करने का सुझाव दिया गया। • ऑक्सी जोन पार्क विकसित किया गया तथा वृक्षारोपण का कार्य भी किया गया। • विश्व स्वास्थ्य मृदा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। • किसान दिवस का आयोजन किया गया। ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा गोदित गांव लूणी में एसपीएसपी परियोजना द्वारा वित्त पोषित जय भोमिया झाड़ू उद्योग का शुभारंभ किया गया। • मुर्गी पालन को बढ़ावा देने के लिये मुर्गीयो का वितरण किया गया। ➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** • गांव में स्थित तालाबों की साफ–सफाई करवाई गयी।

		➢ **कोविड–19 जागरूकता** अभियान के तहत हैंड सेनिटाइजर एवं मास्क का वितरण किया गया, स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन कर काढा पिलाया गया। ➢ **अन्य कार्यः** सामाजिक सुरक्षा योजना के बारे में ग्रामीणो को जागरूक किया गया।
14.	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** ● स्वच्छता, नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। ● वरिष्ठ नागरिक शिविर का आयोजन किया गया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** ● सरसों, गेहूं, धनिया, आदि की फसलो एवं बीजो का प्रदर्शन किया गया। ● बगीचा विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ● वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ● न्यूट्री गार्डन के बारे में बताया गया। ● पशुधन के टीकाकरण के बारे में जागरूक किया गया। ➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** ● गांव में स्थित तालाब का जल स्तर बढ़ाने के लिए तालाब की खुदाई की गयी। **कोविड–19 जागरूकता के** तहत किसानो को खेती के दौरान कोविड के बारे में जागरूक किया गया एवं मास्क का वितरण किया गया तथा गांव में सेनिटाइजेशन किया गया।
15.	वर्धमान महावीर खुला वि.वि. कोटा।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** ● गांव के स्कूल के विधार्थियो के लिए दंत सुरक्षा एवं स्वच्छता के बारे में जागरूक करने हेतु एक चिकित्सा शिविर का आयोजन कर विधार्थिया को दंत सुरक्षा किट प्रदान किये गये। ➢ **कोविड–19 जागरूकता** के तहत गांव में मास्क का वितरण कर सोडियम हाइपो क्लोराइट का छिडकाव करवाया गया, चम्बल फर्टिलाइजर्स के माध्यम से सीएसआर फण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत क्षेत्र में राशन किटो का वितरण किया गया, लॉक डाउन के दौरान ग्राम पलायथा नेशनल हाइवे से गुजरने वाले श्रमिको एवं यात्रियो के भोजन की व्यवस्था की गई।
16.	कोटा विश्वविद्यालय, कोटा।	➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :**

		• गांव में कम्प्यूटर एजुकेशन व स्किल डवलपमेंट ट्रेनिग का आयोजन किया गया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • खेती में फर्टीलाइजर, पेस्टीसाइड एवं इन्सेक्टिसाइड के दुष्प्रभाव, जैविक खेती के फायदे एवं जैविक खेती पर सरकार द्वारा दी जाने वाली रियायत, मृदा स्वास्थ्य कार्ड आदि के बारे में जानकारी दी गई। ➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** • बरसाती पानी को रोकने के लिए मॉडल तालाब का निर्माण, मुख्यमंत्री जल स्वालम्बन योजना क्षेत्र में 10 एम पी ही तलाई का निर्माण। ➢ **कोविड–19 जागरूकता** के तहत गांव में सोडियम हाइपोक्लोराइट का छिड़काव किया गया, गरीब व दिहाड़ी मजदूरो को राशन सामग्री वितरित की गई, मनरेगा स्थल पर सेनेटाइजर मशीन और हाथ धोने के साबुन की व्यवस्था की गई।
17.	राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। • कम्प्यूटर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • ग्रामीण परिवारों की समस्याओ के सम्बन्ध में विशिष्ट डेटा प्राप्त करने हेतु केस अध्ययन तथा स्कूल जाने वाले बच्चों के नामांकन में वृद्धि तथा बच्चो को होनहार बनाने के लिए प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय में स्मार्ट क्लास रूम लगाये गये। • कम्प्यूटर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना तथा कौशल विकास कार्यक्रम के तहत आरएसएलडीसी के माध्यम से सिलाई केन्द्र की स्थापना कर बालिकाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया। • एनएसएस कार्यकर्ताओ ने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ के बारे में ग्रामीणो को जागरूक किया गया।

		➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • तालाब के चारो ओर वृक्षारोपण करवाया गया है। ➢ **कोविड–19 जागरूकता के तहत राहत सामग्री एवं मास्क का वितरण किया।**
18.	पं0 दीन दयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम किया का आयोजन किया गया। • नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन कर चश्मा एवं दवाईयां वितरित की गई।। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।
19.	मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • ICICI RSETI के अन्तर्गत युवाओं को कौशल–प्रशिाक्षण उपलब्ध कराया गया, गांव के युवाओं एवं बेरोजगारों के लिए उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एवं ICICI बैंक के सहयोग से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • विश्वविद्यालय द्वारा तीन बालको को विद्युत विभाग में ट्रेनिंग प्रदान की गई तथा स्वरोजगार दिया गया। ➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। • किसानो को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया, मक्का के किट का वितरण किया गया। ➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** • मुख्यमंत्री जन–स्वालम्बन योजना के अन्तर्गत कच्ची नाली का निर्माण किया गया। वाटरशेड आदि का निर्माण उबेश्वरजी की पहाड़ी में करवाया गया। ➢ **कोविड–19 जागरूकता रैली कार्यक्रम का आयोजन कर मास्क का तथा बच्चों को जूते और मोजों का वितरण किया गया तथा पोस्टर लगाकर जागरूक किया गया।**

20.	महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • स्वास्थ्य शिविर का आयोजन, जिसमें कुल 167 विद्यार्थी, महिला, पुरूष एवं बच्चों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवाओं का वितरण किया गया। ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • राजकीय माध्यमिक विद्यालय हायलां तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विश्मा में 250–250 छात्रों के लिए टेबिल–कुर्सियों की व्यवस्था। • राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड, उदयपुर से **7.50 लाख** रूपये की वित्तीय सहायता प्राप्त कर राजकीय माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों हेतु फर्नीचर की व्यवस्था की गई। • कॉलेज के पुराने फर्नीचर को रिपेयर एवं पेन्ट आदि कर गांव के विद्यालय को उपलब्ध करवाया गया। ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • तीन युवाओं को ऑटोमोबाइल में प्रशिक्षण दो युवाओं ने दुकान खोलकर स्वरोजगार शुरू किया। 9 युवाओं को कारीगरी में प्रशिक्षण तथा उपकरण के किट उपलब्ध करवाये गये। • किसान महिलाओं को डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट में तथा 32 महिलाओं को रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर प्रशिक्षण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु वस्त्र एवं परिधान डिजाइन में 2 दिवस का प्रशिक्षण। सिलाई उद्यमिता में महिलाओं को प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम बनाया गया। ब्लॉक एवं स्टेंसिल पेटिंग करना भी सिखाया गया। • Poultry उत्पादन उद्यमिता पर विश्मा के 13 किसानों को एवं हायला में Backyard Poultry उत्पादन तकनीक पर 35 जनजाति किसानों को प्रशिक्षण। हायला में फल बागानों की स्थापना पर 25 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। • मशरूम उत्पादन तकनीक पर विश्मा की अनुसूचित जाति की 30 महिलाओं को तथा ट्यूबर क्रॉप उत्पादन तकनीक पर हायला की अनुसूचित जाति की 30 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। • अक्षय उर्जा उपकरणों पर एक दिवसीय प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया गया।

		➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** ● वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। ● प्रतापधन मुर्गी नस्ल की 54 इकाईया (प्रति इकाई 20 मुर्गी) स्थापित, अंडों एवं मुर्गी के बिक्री से अच्छी आय अर्जित। बकरी नस्ल सुधार हेतु सिरोही नस्ल के 7 बीजू बकरे उपलब्ध करवाये गये। माइक्रो फाइनेंस द्वारा गाँव हांयला में 50 परिवारों को प्रतापधन चूजे (प्रति परिवार 20) उपलब्ध कराये गये । ● रबी एवं खरीफ में किसानों को फसल एवं सब्जी के हाइब्रिड बीज, खाद एवं कीटनाशकों का वितरण। खेती की नई एवं उन्नत तकनीकों की जानकारी। हाइब्रिड टमाटर के अच्छी आय अर्जित। कीट और खरपतवार नियंत्रण पर प्रशिक्षण दिय गया। ● विश्मा में कुल 30 परिवारों को मशरूम के बीज के 300 बैग (प्रति परिवार 10 बैग) उपलब्ध करवाये। इन परिवारों को 5 स्प्रे मशीन, बीकर तथा मापन सिलेंडर भी दिये गये। ● पशुओं के लिए पोष्टिक अजोला घास पर प्रशिक्षण एवं इकाईयों की स्थापना तथा पशु टीकाकरण शिविरों का आयोजन। ● कृषि अनुसंधान परियोजना के तहत 35 किसानों को (प्रति किसान प्रतापधन नस्ल के 20 चूजे) कुल 700 चूजे उपलब्ध कराये गये, साथ ही इन चूजों के लिये प्रति परिवार 25 किग्रा. दाना, प्लास्टिक बर्तन एवं पानी की ट्रे भी उपलब्ध करवायी गयी। 3 किसानों को उनके दुधारू पशुओं के लिये 7 किग्रा. खनिज पदार्थो का मिश्रण उपलब्ध करवाया गया। ● उन्नत किस्म के आम, अमरूद, पपीता व बेर के पौधों का वितरण किया गया। ● कृषि विभाग के सहयोग से हायलां गांव में वर्मी कम्पोस्ट इकाइयों की स्थापना। परम्परागत खेती कार्यक्रम के तहत कृषि विभाग द्वारा चयनित गांव हायला में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्डो का वितरण। ● ट्रेक्टर कंपनी "TAFE's Scheme" द्वारा फ्री खेत की जुताई का अवसर प्राप्त किया गया। इस योजना में TAFE कंपनी द्वारा किसानों के खेतों पर 'ग्रीष्मकालीन जुताई' का खर्च वहन किया किया गया।

		• विश्वविद्यालय द्वारा मक्का छिलाई एवं गहाई उपकरण का विकास किया गया है, जो किसानों के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है, जिसकी लागत 1.10 लाख तथा उत्पादन क्षमता 140 कि.ग्रा. प्रति घंटा है। • सरसों, गेहूं, धनिया, पालक, मक्का आदि की फसलो एवं बीजो का प्रदर्शन किया गया। • बकरियों का टीकाकरण किया गया एवं वर्मीनाशक दवा पिलाई गई। ➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** • गाँव हांयला में छत पर वर्षा जल संचयन का प्रषिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, ज्योति बाई गरासिया के घर में एक एचडीपीई प्लास्टिक लाइन वाला तालाब (आकार 3x3x2.5 मीटर) विकसित किया गया। • गांव विश्मा में एक नाडी से गाद निकालने का कार्य ग्राम पंचायत द्वारा मनरेगा योजनान्तर्गत प्रारम्भ किया गया। • मुर्गी पालन के लिए टीन शेड का निर्माण करवाया गया जिसमें एक हजार अण्डों की क्षमता है। • सौर चालित सिचाई पंप की स्थापना की गई जिससे आठ किसान लाभान्वित होगे। ➢ **कोविड–19 जागरूकता के अन्तर्गत मास्क वितरण एवं सोडियम हाइपोक्लोराइट का छिडकाव किया गया।**
21.	गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा।	➢ **स्वास्थ्य एवं स्वच्छता :** • योग शिविर, वरिष्ठ नागरिक शिविर का आयोजन किया गया। • प्लास्टिक वेस्ट मुक्त अभियान का आयोजन कर छात्र–छात्राओं को प्लास्टिक वेस्ट के हानिकारक प्रभावों तथा इससे होने वाली बीमारियों एवं वातावरण प्रदूषण के बारे में बताया गया। ➢ **शिक्षा एवं शैक्षणिक सुविधाओं का उन्नयन :** • विश्वविद्यालय के सहयोग से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को ज्ञान वृद्धि के लिए 117 पुस्तकें, 3 बेंच एवं लाईब्रेरी हेतु 2 अलमारी भेंट की गई। ➢ **कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार :** • कौशल विकास कैम्प का आयोजन किया गया।

		➢ **कृषि एवं पशुपालन उत्पादन वृद्धि, पौधारोपण एवं अन्य गतिविधियां :** • वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। ➢ **जल संरक्षण एवं संचयन :** • ग्राम का जल का तल 10–15 फीट से भी कम है और वहॉ पर जल भराव की समस्या रहती है। अतः वहॉ पर जल संरक्षण संरचना बनाने की आवश्यकता नही है। ➢ **कोविड–19 जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।**